Govts. under various river action plans for treatment and disposal of municipal waste water including energy generation, whenever feasible besides financial assistance for selected demonstration projects under UNDP assisted programmes.

Urjagram Scheme

5970. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the main features of the Urjagram Scheme;

(b) what is the target for the Eighth Five Year Plan; and

(c) what is the progress so far achieved?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) to (c) The Urjagram Programme aims at planned introduction of decentralised energy supply options in villages by harnessing locally available energy resources such as solar wind biomass, etc. in an integrated manner and ultimately bringing about energy self-sufficiency. Projects are taken up, in villages identified through energy surveys, and on cost sharing basis. Funds are also provided for operation and maintenance of the systems installed.

The target for the Eighth Five Year Plan is to set up 125 Urjagrams in various parts of the country and to undertake 500 Energy Surveys.

A total of 209 Urjagrams in 15 States|UTs and 1798 Energy Surveys in 21 States|UTs have been completed till 31.3.1994, out of which 54 urjagrams and 2241 surveys have been completed during the first two years of the Eighth Plan (1992—94).

However, with the transfer of the Integrated Rural Energy Programme from the Planning Commission to this Ministry from 1st April, 1994, it is proposed to merge the Urjagram Scheme with the Integrated Rural Energy Programme and recast the Programme suitably for the remaining part of the Eighth Plan.

गुजरात में गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिये परियोजनाएं

5971. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार को गुजरात सरकार द्वारा 31 दिसम्बर, 1993 तक गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिये प्रस्तुत की गयी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ख) जिलेवार कितनी परियोजनाओं को उक्त अवधि में स्वीकृति प्रदान की गई है ; और

(ग) शेष प्रस्तावों/परियोजनाओं को कब तक मंजूरी प्रदान किये जाने की संभावना है ?

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) बायोगैस, उन्नत चूल्हा और सौर कुकरों के जारी विस्तार कार्यक्रमों के अतिरिक्त गुजरात सरकार से 5 प्रस्ताव प्राप्त हुये थे जिनमें बायोमास गैसीफायर विद्युत उत्पादन प्रणालियां, पवन फार्म, सौर प्रकाशवोल्टीय तथा सौर तापीय प्रणालियों की संस्थापना और दोहरे ईंधन वाली बसें चलाना शामिल है ।

(ख) और (ग) वर्ष 1993-94 के दौरान कच्छ जिले में बायोमास गैसीफायर विद्युत उत्पादन प्रणाली और सुरेन्द्र नगर जिले में पवन फार्म परियोजना की स्थापना के लिये प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है । सौर प्रकाशवोल्टीय घटक, जिसमें 200 सौर लालटेन शामिल हैं, को गुजरात के विभिन्न जिलों में वितरण के लिये मंजूरी दी गई है । राज्य के विभिन्न जिलों में 100 दोहरी ईंधन वाली बसें चलाने और सौर तापीय